देश के लिए... अव्यवस्था के खिलाफ...

जवाब दो!!! सरकार
www.jawabdosarkar.com
देश का पहला जवाबदेही पोर्टल

JAWAB DO SARKAR
www.jawabdosarkar.com
(A Digital Media Initiative to promote Accountability)

वॉल्यूम न.– 2021/kdgl/02 | E-Newsletter, Issued in Public Interest | शुक्रवार, 29 अक्तूबर 2021

विशेष रिपोर्ट-1

क्रिकेट बना ऑनलाइन सट्टे का बड़ा बाजार

हर बॉल पर लगाया जाता है करोड़ो का दांव!!!!

सट्टे के काले धंधे मे कई सफेदपोश!!!

सट्टेबाजी के साथ साथ मोटे ब्याज का धंधा!!!

हवाला और नेट बैंकिंग बना पैसे के लेन-देन का जरिया!!!

जयपुर के पॉश इलाके राजापार्क,मालवीय नगर,सी स्कीम,वैशालीनगर के कई सफेदपोश इस धंधे मे शामिल

जनता से अपील,ऐसे सफेदपोशों को बेनकाब करें

*भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(1)(a) के तहत प्रकाशन एवं समस्त प्रकाशन IT Act 2000 के तहत उत्तरदायी सर्वाधिकार@www.jawabdosarkar.com

रक्षा बजट के बराबर पहुंच गया देश में सट्टेबाजी का कारोबार

फेडरेशन ऑफ इंडियन चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (FICCI) की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में सट्टेबाजी का कारोबार 3 लाख करोड़ रुपए से भी ज्यादा पर पहुंच चुका है। यह राशि करीब-करीब भारत के रक्षा बजट के बराबर है|

जयपुर में गहरी हैं सट्टे की जड़ें,रोज 100 करोड़ के दांव

जयपुर में सट्टे का खेल कोई नई बात नहीं है| सट्टा जयपुर में अपनी जड़े गहरे तक जमा चुका है| पुलिस की लाख कोशिशों के बावजूद सटोरिए इस खेल को बेखोफ़ खेल रहे हैं| अभी दुबई में चल रहे क्रिकेट मैचों के लिए भी जयपुर में रोज करीबन 100 करोड़ के दांव खेले जा रहे हैं| हालांकि जयपुर के परंपरागत सट्टे का स्वरूप अब बदल गया है,सट्टा अब ऑनलाइन खेला जा रहा है| सटोरियों ने इसके लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म तैयार कर रखा है,हजारों सटोरिए इससे जुड़े हैं| जयपुर से 25000 से ज्यादा लोग इस खतरनाक प्लेटफार्म से जुड़े हैं| जयपुर समेत राज्य के अन्य शहरों के सटोरिए इसके जरिए सट्टे का खेल खेल रहे हैं| ऑनलाइन होने के कारण जयपुर के सटोरिए देश के अन्य राज्यों से भी जुड़े हुए हैं| सोशल मीडिया पर बने पेंचों के जरिए सभी एक दूसरे से आसानी से जुड़े हैं| इस ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर एक निश्चित रकम के बदले वॉलेट बनाए जाते हैं|

फंटर..... खाईवाली..... लग खाईवाली...

सट्टे में अमूमन यह तीन शब्द ज्यादा चलते हैं| फंटर सट्टे पर दांव लगाने वाले को कहते हैं और जो दांव लगवाता है वह बुकी कहलाता है पसंदीदा टीम पर लगे दांव को लगाईवाली और दूसरी टीम पर दांव लगाना हो,तो उसे खाईवाली कहा जाता है| सटोरियों द्वारा बनाए गए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर 3 हजार रूपए देकर अकाउंट बनाया जाता है,जिसके बाद आईडी पासवर्ड संबंधित व्यक्ति को मिल जाते हैं| फिर ऑनलाइन खेल शुरू हो जाता है|

हर सोमवार..... कहीं पौ बारह..... कहीं अफसोस

जयपुर समेत राज्य के अधिकांश क्षेत्रों में ऑनलाइन सट्टे का हिसाब हर सोमवार को होता है| बड़े सटोरियों की ओर से ऑनलाइन वॉलेट में जमा करवाए गए पैसे और ग्राहक की ओर से खेले गए सट्टे का सोमवार को हिसाब कर भुगतान किया जाता है| इस कारोबार में कोई नया ग्राहक सट्टा खेलना चाहता है तो उसे बिना गारंटी एंट्री नही मिलती| उसे पहले पैसा या गारंटर लाना होगा |

हवाला और नेट बेंकिंग बना पैसो के लेनदेन का जरिया|

चूंकि यह दो नंबर का धंधा होता है लिहाजा इस धंधे का लेनदेन भी दो नंबर मे किया जाता है जिसके लिए हवाले या नेट बेंकिंग का प्रयोग किया जाता है|चूंकि जयपुर पहले से ही हीरे जवाहरात के धंधे के चलते हवाला कारोबार का गढ़ रहा है,जिसके चलते सट्टेबाजों को अपने धंधे के लेनदेन के लिए इस हवाला नेटवर्क का इस्तेमाल करने मे कोई परेशानी नहीं हो रही है और हवाला के साथ साथ सट्टेबाजी का धंधा भी फलफूल रहा है|

जीत पर खुशी,हार पर दर्द का कारोबार

सट्टेबाजों में 70 फ़ीसदी युवा पीढ़ी जुड़ी हुई है| कई मामलों में यह कारोबार झगड़ा फसाद से लेकर बड़े अपराधों को जन्म दे रहा है| अब तक यह शहरों में ही चल रहा था, लेकिन अब यह ग्रामीण इलाकों में अपनी जड़े जमा चुका है| पुलिस की ढिलाई से युवा वर्ग सट्टेबाजी के चुंगल में फंस कर बर्बाद हो रहा है |

कैसे चलता है सट्टे का यह काला धंधा?

तकनीक के महारथियों ने इस गौरखधंधे का भी डिजिटलाइजेशन कर दिया|क्रिकेट सट्टे के हाइटेक धंधे की बात तो छोड़िए दशको से चल रहे ट्रेडीशनल सट्टे के सिंगल शॉट या फिर जोड़ी और मटके तक का खेल तमाम वेबसाइटों और मोबाइल मे समाए चंद एप पर आ चुके है|दांव लगाने के लिए यह ऑनलाइन सट्टा कंपनियाँ एक मोबाइल एप देती है|सट्टे पर दांव खेलने से पहले सटोरियों को 4 तरह की मेम्बरशिप लेनी पड़ती है|पहली लाइव गेम की जनरल मैम्बरशिप होती है,जिसकी फीस

कुछ हजार रुपए होती है|जबकि एक दिन की वीआईपी मेम्बरशिप की कीमत 15 हजार,एक हफ्ते की वीवीआईपी मेम्बरशिप 45 हजार से लेकर 95 हजार और एक महीने की सुपर वीवीआईपी मेम्बरशिप डेढ़ से ढाई लाख रुपए तक होती है|सट्टा कारोबारियों के फंटर सबसे महंगी मेम्बरशिप के साथ घाटा रिकवर करने की स्कीमों के भी ऑफर देने से नहीं चूकते|

आईडी पासवर्ड और गेम शुरू

मेम्बरशिप फीस चुकाने के बाद ऑनलाइन सट्टा कारोबारी सबसे पहले क्लाईंट की डिजिटल आईडी बनाकर पासवर्ड देते है|एकाउंट एक्टिव होते ही मोबाइल एप दिया जाता है|जिस पर क्लाईंट लाइव सट्टा लगा सकता है|हालांकि सट्टे का पूरा लेनदेन ई वालेट के जरिये होता है|भारतीय वेबसाईट रुपए का लेनदेन करती है जबकि विदेशी साइट बिटकोइन और विदेशी मुद्रा मे|जिस ई वेलेट से लेनदेन होता है उसे क्लाईंट की डिजिटल आईडी के साथ ही रजिस्टर कर दिया जाता है|दूसरे मोबाइल नंबर और ई वेलेट से लेनदेन नहीं होता|

युवाओं को लग रही ऑनलाइन सट्टे की लत|

जानकारों का कहना है कि सट्टा खिलवाने वाले इंटरनेट मीडिया के जरिए नए-नए युवाओं को अपने झांसे में फंसा रहे हैं। उन्हें तरह-तरह का प्रलोभन देकर इस काले कारोबार में शामिल होने के लिए दबाव बना रहे हैं। ताकि उनके आने से मैच के जरिए कमाई को बढ़ाया जा सके|जल्दी पैसा कमाने की चाहत मे युवा वर्ग इस धंधे की चकाचौंध मे भी आ रहा है और अपना भविष्य बर्बाद कर रहा है| अधिकांश सटोरिए मोबाइल पर इंटरनेट की मदद से मैच और सेशन पर लाखों का दांव लगा रहे हैं। खाई और लगाई के नाम से सट्टा खेला जा रहा है। मैच का भाव भी ऑनलाइन बताकर उनसे पैसा भी ऑनलाइन ट्रांसफर कराया जा रहा है, ताकि पुलिस आसानी से पकड़ न सके|

जानकारों का दावा है कि सट्टा के माहिर बुकियों ने व्हाट्सअप पर ग्रुप बना रखे हैं। उसमें नए सदस्यों को जोड़ने के लिए कुछ लोगों के जरिए संदेश भिजवाया जाता है कि आज इस ग्रुप में खेलने से इतने का फायदा हुआ है, जबकि दूसरे ग्रुप से खेलने वाले को नुकसान उठाना पड़ रहा है। कहा तो यह भी जा रहा है कि स्थानीय पुलिस के कुछ पुलिसकर्मियों का कई सटोरियों से भी कनेक्शन है, जो कार्रवाई की जद में नहीं आते हैं।

सट्टा,सूद और उसके साइड इफ़ेक्ट्स

जैसा कि ऊपर बताया गया है कि जल्दी पैसा कमाने की चाहत मे हमारा युवा वर्ग सट्टे के दलदल मे फंस रहा है|शौक से शुरू होकर सट्टे का खेल सूदखोरी तक पहुंच जाता है और सूदखोरी में फंसा व्यक्ति इस जाल से कभी निकल नहीं पाता|इसके साथ ही इसके साइड इफ़ेक्ट्स चालू हो जाते है|जयपुर में ऐसे कई उदाहरण है जो बताते है कि ऑनलाइन सट्टे की दलदल मे फँसने के बाद ज़िंदगी कैसे नर्क हो जाती है|

सूदखोरी का जाल|

सट्टे के कारोबार मे लिप्त सूदखोर अमूमन रुपया या दो रुपया सेंकड़ा के हिसाब से मिलने वाला कर्ज 10 रुपये या 20 रुपये सेकड़ा के हिसाब से देते हैं| इस पर फिर चक्रवर्ती ब्याज और समय पर नहीं चुकाने पर पेनल्टी का भी प्रावधान कर रखा है|जयपुर में नाम नहीं छापने की शर्त पर एक व्यक्ति ने बताया कि उसके परिचित ने चार लाख या आठ लाख तक का कर्ज सट्टा का कर्जा उतारने के लिए उठाया था| सट्टे का कर्ज तो उतर गया,लेकिन सूदखोरों को उनकी मूल रकम चुकाने के बाद भी 20-20 लाख रुपए अभी ब्याज और पेनल्टी के बकाया कर रखे हैं,जिन्हें नहीं चुकाने पर धमकियां मिलती हैं |

नशे की दलदल

अमूमन देखा गया है कि ऑनलाइन सट्टा खेलने वाले अधिकांश युवा नशे के आदि होते है|,जीत के पैसो से पार्टीबाजी करना,महंगे शौक पूरे करना इनका शगल बन चुका है|अब जब कोई सटोरिया जीत जाता है तो वह खुशी मे नशा करता है और जब कोई सटोरिया हार जाता है तो उसके गम मे नशा करता है|नशे की यह लत शराब से शुरू हो कर चरस,गाँजा,कोकीन,एमडी आदि नशों तक पहुँच जाती है|नाजायज नशे की पूर्ति के लिए यह युवा ड्रग पेडलर्स और तस्करो के संपर्क मे रहते है|धीरे धीरे यह खुद नशे की पेडलिंग करने लग जाते है और गुनाहों के दलदल मे फँसने लगते है|नाम नहीं छापने की शर्त पर एक परिचित ने बताया

कि उनका लड़का ऑनलाइन सट्टे के चक्कर मे फंस गया|जहां वह अपनी शादी की 20 साल पुरानी घड़ी पहनते थे वही उनका बेटा राडो जैसी महंगी घड़ी पहनता था,पूछने पर दोस्त द्वारा गिफ्ट मे देने की बात करता था|कुछ दिनों बाद उसकी घड़ी नहीं दिखी तो पूछने पर कहा कि गुम हो गयी,धीरे धीरे वह रात को लेट आने लगा और अधिकतर समय नशे की हालत मे रहने लगा|बहुत पूछताछ करने पर खुलासा हुआ कि वह सट्टे मे जीते पैसो से अपने शौक और नशा कर रहा था|अब उनका बेटा नशा मुक्ति केंद्र मे है|

अपराध की दुनिया मे कदम|

प्राय देखा गया है कि ऑनलाइन सट्टे की दलदल मे फंसा युवा अंततः अपराध की दुनिया मे कदम रख ही लेता है|चूंकि शुरू शुरू मे यह शौक के लिए खेला जाता है जो जल्दी ही नशे मे तब्दील हो जाता है|शुरुआत मे पॉकेट मनी से खेला जाने वाला यह धंधा अंत मे चोरी,चैन स्नेचिंग,देह व्यापार,हत्या और आत्महत्या तक पहुँच जाता है|पुलिस के एक रिटायर्ड अधिकारी ने बताया कि उनके कार्यकाल मे एक केस आया जिसमे एक 22 साल के युवा ने ऑनलाइन सट्टे के चक्कर मे लिए गए कर्ज को चुकाने के लिए अपनी गर्ल-फ्रेंड और यहाँ तक की अपनी बहन को भी देह व्यापार मे धकेल दिया|शुरू शुरू मे वह सट्टे के कर्ज की वसूली के लिए मजबूरन अपनी गर्ल फ्रेंड को सूदखोरों और बुकियों को परोसने लगा बाद मे उसने इसे पैसा कमाने का जरिया बना लिया और अन्य लड़कियों के साथ अपनी बहन को भी इस धंधे मे उतार दिया|

पुलिस मजबूर,धंधा मजबूत

दिग्गज साइबर एक्सपर्ट पुनीत अग्रवाल ऑनलाइन सट्टा कारोबार के तेजी से फैलने की वजह बताते हुए कहते है कि भारतीय कानूनों के मुताबिक खाईवाली करने वाले लोकल सटोरियों को पकड़कर उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही करना पुलिस के लिए जितना आसान है,ऑनलाइन सट्टेबाजो,साइटों और मोबाइल एप कंपनियों के खिलाफ कार्यवाही करना उतना ही मुश्किल|जिस तेजी से सट्टे के संगठित अपराध मे इंटरनेट का इस्तेमाल बढ़ रहा है उस गति से इसकी नब्ज तोड़ने मे पुलिस ना तो प्रशिक्षित है और नाही पोर्टल आदि के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्यवाही करने के लिए पुख्ता

कानून|पुलिस के पास जांच करने के संसाधन तक नहीं है|ऐसे मे एक ही तरीका है कि कोर्ट के आदेशो पर जिस तरह पॉर्न साईटे बैन की जाती है,उसी प्रकार सट्टा और ऑनलाइन बैटिंग साइट्स पर भी सरकार प्रतिबंध लगाए|

जयपुर के पॉश इलाके राजापार्क,मालवीय नगर,सी स्कीम,वैशालीनगर के कई सफेदपोश इस धंधे मे शामिल,राजापार्क बना सटोरियो का स्टेट ऑफिस और दुबई बना प्राइम ऑफिस|

यूं तो जयपुर के पॉश इलाके राजापार्क,मालवीय नगर,सी स्कीम,वैशालीनगर समेत अन्य जगहों के कई सफेदपोश इस धंधे मे शामिल है लेकिन लगता है कि राजापार्क ने इस धंधे मे स्टेट ऑफिस और दुबई ने प्राइम ऑफिस की जगह ले ली है|क्यूंकी इस इलाके के 70 प्रतिशत युवा सट्टेबाजी से जुड़े हुए है|क्रिकेट मैचों के दौरान यहा के बड़े सट्टेबाज अपना अधिकांश समय दुबई मे ही रह कर अपना धंधा कंट्रोल करते है|

राजापार्क के कुख्यात सटोरियो का करोड़ो का काला धन लग रहा राजापार्क की ज़मीनों मे|

यूं तो राजापार्क मे कई छोटे बड़े सटोरिये है लेकिन इनमे से अधिकतर सटोरियो का करोड़ो का काला धन राजापार्क की ज़मीनों मे लगा हुआ है|ऐसे ही एक कुख्यात सटोरिये ने हाल ही मे राजापार्क की प्राइम लोकेशन पर करोड़ो रुपयों की विवादित जमीन खरीदी है|जाहीर है इस पर बनने वाली बिल्डिंग भी अवैध होगी और इसकी खरीद और बेचान भी दो नंबर मे होगी|कुछ महीनों पहले इस कुख्यात सटोरिये ने अपनी बेटी की शादी करोड़ो रुपयों मे गोवा जाकर की थी,जो आज भी चर्चा का विषय बनी हुई है|यह सटोरिया सट्टेबाजी के अलावा सूदखोरी का काम भी करता है और सट्टेबाजी और सूदखोरी कि दलदल मे फंसे लोगो की जमीने और मकान औने-पौने दामों मे खरीदने के लिए बदनाम है|

इसी प्रकार राजापार्क का एक बड़ा सटोरी दुनिया को बताने के लिए दुबई मे बड़ा शोरूम चलाने और ट्रेडिंग करने की बात कहता है|लेकिन असल मे वह वहाँ रह कर ऑनलाइन सट्टे का रेकेट चलाता है|जयपुर के राजापार्क क्षेत्र मे हाल ही मे दो तीन बिल्डिंगों मे अपना काला धन खपाया है|

जानकारों के अनुसार कपूर नाम का सटोरिया महज कुछ साल पहले गेराज मे काम करता था लेकिन सट्टे के धंधे मे कूदने के चंद सालों मे ही आज वह महंगी महंगी कारो का मालिक है और अपनी करोड़ो की काली कमाई राजापार्क की जमीनो मे लगा रहा है|

यदि जांच एजेंसियां राजापार्क के सटोरियों को ही खंगाल ले तो सैंकड़ों करोड़पति सफेदपोशों के राज खुलने मे देर नहीं लगेगी|

कैसे लगे सट्टे के काले कारोबार पर लगाम?

1. बिना काम धंधे साल मे कई दफा विदेश यात्रा करने वाले यात्रियों पर जांच एजेंसियां पैनी नजर रखे|
2. हवाला और सट्टे का धंधा करने वालों की जांच की जाए साथ ही उनका भी रिकॉर्ड एकजाई किया जाए|
3. नेट बैंकिंग के जरिये बैंक मे लाखो रुपयों के लेनदेन पर कड़ी नजर रखी जाए|
4. सट्टेबाजी और हवाला की सूचना देने वाले को मुखबिर योजना के तहत इनाम दिया जाए|
5. आम जनता से अपील की जाए और सट्टे से जुड़े क़ानूनों की जानकारी दी जाए|
6. सट्टे के काले कारोबार से जुड़े बुकियों के नाम सार्वजनिक किए जाए साथ ही उनके विरुद्ध मुकदमे दर्ज कर उनकी हिस्ट्री शीट खोली जाए|
7. कानून मे संशोधन कर ऑनलाइन सट्टेबाजी को प्रतिबंध किया जाए और कड़ी सजा का प्रावधान किया जाए|

कानपुर में विदेशी एप से लग रहा था ऑनलाइन सट्टा, जयपुर,नेपाल-श्रीलंका तक कनेक्शन

इन एप से ऐसे लगाते थे सट्टा

कानपुर के एसपी पश्चिम ने बताया कि क्रिकेट लाइव लाइन, क्रिकेट गुरुज, ऑल द न्यूज, दि मेमोरीज एशियन समेत अन्य कई विदेशी एप के जरिए सट्टा लगाते थे। ये सभी एक साथ आईडी के जरिए जुड़ते थे|

जयपुर में सरगना, विदेश तक नेटवर्क

एसपी ने बताया कि गिरोह का सरगना सोनू जयपुर का है। यहां पर मुख्य सटोरिया हरप्रीत सिंह है। रकम हवाला से लेकर सीधे कैश गाड़ियों से एक शहर से दूसरे शहर भेजी जाती थी। इसमें नेपाल, श्रीलंका के अलावा मुंबई, दिल्ली, पंजाब समेत कई अन्य शहरों के सटोरियों से भी कनेक्शन सामने आया है|

आगामी अंकों मे सफेदपोश सटोरियों और उनके काले धंधो का खुलासा विस्तार से.....